Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 14

No. of Printed Pages – 07

SS–26–Raj. Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2016

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2016

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों सारू सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सबसूं पैली आपरै प्रस्न पत्र माथै नामांक जरूर लिखे ।

2) सगळा सवाल करना जरूरी है ।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणो है ।

4) जिण सवाल रा अेक सूं अधिक भाग है तो वां सगळा रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करियां ज्यादा अंक दिरीजैला ।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राखौ अर ओपतौ पड़ूत्तर देवौ ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा में ईज देवणा है ।

8) पूर्णांक अर प्रस्नांक ठावी ठौड़ अंकित है ।

यहाँ से काटिए

Downloaded from www.cclchapter.com

1) नीचै लिख्या गद्यावतरणा री सप्रसंग व्याख्या करो :

क) मिनख री जिंदगानी में कई घड़ी पळ इसा आवै जका उणनै ऊंचौ उठा देवै अर केई घड़ी पळ इसा आवै जिका उणनै पींदै बैठा देवै । आज भूरी रा आंसू अर उण रै मनरौ दुःख राम जस–नै नयौ प्रकाश दियो । बो हड़बड़ार उठ्यौ । आंख्या फाड़–अर हाथ पसार–अर बोल्यो–भूरी! उठ, बींटो बांध अर टाबरां नै त्यार कर । इण गुलामी नै आज सूं ही नमस्कार है । [4]

अथवा

तरै संमळी ऊंची बैठी थी, तिण विचारियौ. ''जे राजा तो पाणी रैभोळै जहर पीवै छै'' संमळी राजा रा हाथ मां सु झड़प मारै नै वाटको ऊंधो मारीयौ नै संमळी ऊंची जाय बैठी । राजा वाटको वळै मांडियौ सो वळै पिण भरायौ नै राजा त्रिसां मरतो पाणी पीवण नूं तयार हुवौ । तितरै संमळी झपट सूं वळै ऊंधो मारीयो । तरै संमळी रै छाती मांहे भळकारी दीधी । सो संमळी मुई नै ऊंची आंबा ऊपरै ठरी ।

Downloaded from www.cclchapter.com

ख) मारवाड़ी लोगां री इण सुफळता रौ कारण कोई बड़ी पूंजी बेपार मैं कारगर हुई हुवै इसड़ी बात नहीं । काया री खेचळ अर बुध रो बळ । सागै हो धीरज धारी हिवड़ौ, जिण में ही मुसीबतां सूं टक्कर लेवण री खिमता । मिलां में दूजा लोग मैनेजर हुया पण मालिक सदा मारवाड़ी रह्या । दूजा लोग उण दिनां री याद करै, जिका दिना में मारवाड़ी फगत लोटौ-डोर लियां आया अर आज ठौड़-ठौड़ उणां री बड़ी-बड़ी इमारता खड़ी है । [4]

अथवा

म्है गेलौ हूं कई जकौ अैड़ी बेहूदी बात करू ? ठीक है, था लोंगा रै कैणा-कैणा सूं म्है इत्ता नाच, नाच लिया पण अब आ. बदनामी उठाय नै तो म्हारौ इज्जत सूं जीवणौ ई मुसकिल हुय जावैला । म्है आपनै विस्वास दिराऊं हूं कै म्हनै नै म्हारा बाप नै की नीं चाहि जै । आप जितौ माल करजौ करनै खरीदियौ है वो सगळौ पाछो बेच नै करजौ चुकादिरावौ । म्हनै कोई दायजौ मंजूर नहीं हैं ।

Downloaded from www.cclchapter.com

ग) भानै आय'र बास तै जगाली ही । दोनूं भाई कनै–कनै बैठ्योड़ा हा । माधो उणभणै मन सूं आपरै हाथं री चांद्यां माथै फूंक मार रैयो हो । भानो बैरी हिवडै री पीड़ नै जाण'र बोल्यो, ''क्यूं काळजौ छोटो करै! आपां रा करम ई फूटयोड़ा हैं । धीमै–धीमै सैवण रो सुभाव पड़ जावैलो । हथेळयांअर पगथळ्या करड़ी हो जावैली ।'' [4]

अथवा

स्वामीजी कैयो'' जीवण अेक विचित्तर नाटक हैं । अेक–अेक घड़ी रो भी नहचौनीं ? सगळा सुख असल में दुःख ईज है । सुख घड़ी–पोर रा हैं । अजर–अमर है तो आ मिरत्यू ! ..... मोत ! आ मिरत्यू ई अेक अमर सत्य है ! ..... इण पीड़ा रो अनुभव ई साचो अनुभव । आपा सगळा जणा रमणियां हा । रमतिया बणावै जिको ठा नी कद तोड़ देवै ..... किया तोड़ देवै, आपा नीं जाणां ।

Downloaded from www.cclchapter.com

2) 'मुहणौत नैणसी अकबर रै चावै दरबारी अबुल फजल री जोड़ी रो धुरन्दर इतिहासकार हो ।' इण कथन नै सिद्ध करता दोनां रै चरित री समानतावां बतावौ । [4]

3) 'सांच बोल्यां किया पार पडै' व्यग्यं मांय व्यग्यंकार कूड़ नै अमोघ हथियार (सस्तर) क्यूं मानै ? खुलासो करो । [4]

4) 'आदमी री जात' कहाणी मांय कथानक अर भाषा–शैली री विसेसतावां बताओ । [4]

5) 'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास री नायिका सूरजड़ी रो चरित्र चित्रण करो । [4]

6) आधुनिक राजस्थानी साहित्य में 'कहाणी' लेखन माथै आलेख लिखो । [6]

7) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विसय माथै राजस्थानी भाषा में निबंध लिखो – [6]

i) राष्ट्रपिता–महात्मा गांधी

ii) राजस्थानी साहित्य में वीर रस

iii) म्हारो प्रिय (वाल्हो) कवि

iv) आतंकवाद री समस्या अर उपाय

Downloaded from www.cclchapter.com

8) नीचै लिख्यां पद्यासां री सप्रसंग व्याख्या करो ।

अ) रोग अग्नि अरू राड़, जांण अलप कीजै जतन ।

बधिया पछै बिगाड़, रोक्या रहे न राजिया ।।

काळी घणी कुरूप, कस्तूरी कांटा तुलै ।

सक्कर घणी सरूप, रोड़ा तुलै राजिया ।। [5]

अथवा

मेरी मेरी करत है, देखो नर की भोल ।

फिर पीछै पछतावगै, हरि बोलो, हरि बोल ।।

किये रूपए अेकठें, चौकूठे अर गोळ ।

खाली हाथों सब गयो, हरि बोलो, हरि बोल ।।

ब) म्हैलां की तो टपरी बणगी

टपरी म्हैल धणो जबरो रे

सपनो आयो

तोसा खाना खाली होग्या

खाली पेट भर्‌यो जबरो रे

सपनो आयो । [5]

अथवा

कांटो कादो रेत जळ, सगळा पड'ने पांव ।

रोके रस्ते चालता जश्यो जणी रो दांव ।।

पर–घर पग नीं मेलणो, बिना मान–मनवार ।

अंजण आवे देख ने, सिंगल रो सतकार ।।

Downloaded from www.cclchapter.com

9) गवरी बाई रै पदा रो सार लिखो । [5]

10) कल्याण सिहं राजावत री कविता 'कुण देवैलो हेलो' मांय कवि रो मूल सन्देस लिखो । [5]

11) 'आ राजस्थानी भाषा है' कविता ''राजस्थानी भाषा रै सबळै इतिहास नै प्रगटै'' इण कथन नै सिद्ध करो । [5]

12) काव्य रो अरथ बतावंता काव्य रा भेदा रो संक्षेप में परिचै देवो । [5]

13) 'कुंडळिया' छंद री विसेसतावां उदाहरण सागै लिखो । [5]

14) 'यमक' अलंकार री परिभाषा अर उदाहरण लिखो । [5]

⌘⌘⌘

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com